कानपुर, 8 मार्च, 2010

पीपल ट्री वेंचर्स ने कुशल कारीगरों को किया सम्मानित

पीपल ट्री वेंचर्स के स्थापना दिवस समारोह में शिरकत करते राजीव गांधी महिला परियोजना के डायरेक्टर सम्पत कुमार, पूर्व विधायक इंद्रेश विक्रम सिंह व अन्य दूसरी ओर कार्य कारीगर।

(आज समाचार सेवा)

लालगंज (रायबरेली), 7 मार्च। पीपल ट्री वेंचर्स एवं बैसवारा पी.जी. कालेज के साझा प्रयासों से शुरु हुई मेप्लावर के स्थापना दिवस पर मंदी के दौर मे रोजगार की समस्या से जुझ रहे नवयुवकों को प्रशिक्षित कर नवभारत के निर्माण की नींव रखी और कुशल प्रशिक्षित कारीगरो को सम्मानित किया गया।

कसबे के बैसवारा डिग्री कालेज के महिला छात्रावास मे आयोजित पीपल ट्री वेंचर्स के स्थापना दिवस समारोह में मुख्य अतिथि राजीव गांधी महिला परियोजना के डायेक्टर सम्पत कुमार ने कुशल कारीगरों को प्रेरणा देते हुये कहा कि रोजगार की समस्या से पूरा देश जूझ रहा है। ऐसी स्थिति में क्षेत्र की बेरोजगारी दूर करने मे पीटीबीएल संस्था मील का पत्थर साबित हुई है। यह प्रशिक्षित युवक देश के भविष्य हैं आज बाजार मे कुशल कारीगरों की भारी मांग है यह नवयुवक संकल्प साहस, कर्तव्य निष्ठा के बल पर बैसवारा का नाम रोशन करेगे। विशिष्ट अतिथि संस्था के संस्थापक पूर्व विधायक व बैंक आफ इंडिया के निदेशक इंद्रेश विक्रम सिंह ने कहा कि सैकड़ों बेरोजगार युवक राष्ट्र पर बोझ बनने के बजाय पीपल ट्री वेंचर्स के सहयोग से आस्ति बने का कार्य करेगे।

बैंक आफ बड़ौदा के निदेशक दिनेश शर्मा ने युवको का आहवान करते हुये कहा कि कम शिक्षित युवकों को रोजगार का सुनहरा अवसर प्रदान करने वाली संस्था पीपल ट्री वेंचर्स एक नया आयाम प्राप्त करेगी। यहां पर कुशल स्ट्रक्टरों द्वारा २० बैचों के माध्यम से १८७ युवकों को प्रशिक्षित कर म.प्र., राजस्थान, बैंगलोर आदि राज्यों में रोजगार उपलब्ध कराने का कीर्तिमान स्थापित कियाहै। बैसवारा पी.जी. कालेज के प्रबंधक देवेन्द्र सिंह, राम मनोहर लोहिया महाविद्यालय के प्राचार्य सत्यनारायण सिंह राठौर ने पीपल ट्री वेंचर्स द्वारा राष्ट्र को विकसित दिशा मे ले जाने के प्रयास की सराहना की और कहाकि संस्था साहस, संकल्प कर्मबल के दम पर नई ऊंचाइयां प्राप्त करेगी जिससे हजारों बेरोजगारों का कल्याण होगा. समारोह मे सुशील कुमार, राजकुमार, नरेन्द्र कुमार को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ प्रबंधक सचिन घास्ते, विनीत मिश्रा, तरुण सिंह, सी.पी., दुर्गेश प्रताप सिंह, शेर सिंह, दीप चन्द्र आदि मौजूद रहे। संचालन सौरभ चौहान ने किया।